श्ववसायिन् (wie eben) adj. sich aufhaltend, wohnend in: श्रतावसा-यिन् und श्रत्यावसायिन् (s. dd.). Ygl. 1. श्रवसान 1.

श्रेवसित (wie eben) 1) adj. a) der sich niedergelassen hat, wohnhaft: य उ वे के चामिचिता उस्पामेव ते उवसिताः Çat. Ba. 7,1,1,1 समीपाव-सित Кат. Ça. 8,9,9. पर्वतमन्ववसिता (= पर्वतन सक् संबद्धा, also von सि abgeleitet) सेना P. 1,4,85, Sch. — b) beendigt AK. 3,2,48. H. an. 4,93. Med. t. 177. Çik. 3,6. Kumars. 2,53. Bhatt. 10,6. — c) in Pause stehend RV. Paat. 6,2. Vgl. 1. श्रवसान 5. — d) gekannt, verstanden AK. 3,2,57. Trik. 3,3,146. H. 1496. an. Med. — e) aufgehäuft (von Korn) H. an. Med. Bharata zu AK. 2,9,23 im ÇKDa. Vgl. श्रावसित. — f) gegangen Trik. H. an. 4,92. — 2) n. Wohnplatz: नवावसित वेनमारहरेषुः Çat. Ba. 2,3,2,8. Кат. Ça. 4,13,8.

म्रवसेका (von सिच् mit म्रव) m. Einspritzung, Bespritzung, Begiessung: म्रवसेका भवेदस्ते: Suça. 2,201,10. देश: का नु जलावसेकाशियल: Мक्षंध. 47. 1.

म्रवसिकाम (von म्रवसिका) m. eine bes. Art Kuchen H. 400.

म्रवसिचन (von सिच् mit मृत) n. 1) das Begiessen Kars. Ça. 26,1,27. Suça. 2,390,9. — 2) das zum Begiessen gebrauchte Wasser: पादाव े M. 4,151. — 3) das Entziehen von Blut Suça. 1,39,16. 63,17.

श्रवस्कन्द (von स्कन्द् mit श्रव) m. 1) Ueberfall, Angriff H. 800, Sch. Hir. III, 110. श्रवस्कान्द्रप्रदानस्य सर्वे कालाः प्रकोतिताः Pankar. III, 37. उङ्कायिन्यामवस्कान्द्रं दातुम् Катыль. 12, 35. 37. 16, 3. — 2) Lager, जिगी- पूर्णा निवेशस्थानम् Накал. im ÇKDn.

ম্বাংকান্দ্র (wie eben) n. 1) das Herabsteigen (ম্বান্থা) MBu. im ÇKDn. — 2) das Baden Buatti im ÇKDn.

ষ্প্ৰন্থ (von कर् mit 2. শ্বন্) was zu verdecken ist: 1) die Excremente P. 6,1,148. AK. 2,6,2,18. H. 634. an. 4,234. Med. r. 243. — 2) die Schamtheile (गुल्ग) AK. 3,4,169. H. an. Med. — 3) Ort, wohin die Unreinigkeiten des Hauses getragen werden P. 6,1,148, Sch. শ্বন্ধ্য: গ্রুদারিন্দায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায়ার্ন্নিব্যায

শ্বন্ধান (von প্ৰন্ধান) m. in den Excrementen entstehend (নিস্নান:), ein bes. Insect (?) P. 4,3,28.

म्रवस्तव (von स्तु mit म्रव) m. ein bes. Wurm (कृमि) AV. 2,31,4.

म्रवस्तर्ण (von स्तर् mit मृव) n. das Bestreuen Kâtı. Ça. 8,3,24.32.

भ्रवेस्तात् (von 2. श्रवस्) P. 5, 3, 40. Vop. 7, 108. 1) adv. unten, von unten, nach unten, herwärts (Gegens. परस्तात्)ः स्वधावस्तात्प्रयतिः प्रस्तात् स्थ. 10, 129, 5. VS. 8, 9. श्रवस्ताद्योद्धा (Ar. Ba. 1, 1, 2, 8. 8, 6, 1, 23. श्रवस्तात्प्रयद्न adj. was man von unten erreicht: स्वर्गी लोकः ebend. — 2) praep. unter, mit dem gen.: याः प्रस्तात्सूर्यस्य याश्चावस्तात् स्थ. 3, 22, 3. श्रवस्ताद्धि द्व श्चादित्यः (Ar. Ba. 9, 3, 1, 6. 1, 7, 2, 18. 7, 4, 10.

শ্বননো । (Yon स्तर् mit শ্বव) m. P. 3,3,120. Vorhang u. s. w. ÇKDR. শ্বনন্তু (3. শ্ব → व º) n. eine werthlose Sache KumåRAS. 5,66. वेदासमते । শ্বরানাदিম্যালরায়মদুক: । ÇKDR.

됬여덟 (3. 뒷 → 즉°) adj. ohne Ķleid, unbekleidet; davon nom. abstr.
○덩지지 N. 10,16.

म्रवस्य (von स्था mit म्रव) 1) m. das männliche Glied AV. 7,90,8. Vgl. 2, d und उपस्य. — 2) f. ° स्था. a) das Auftreten, Erscheinen (vor Gericht): क्तावस्था धनैषिणा vom Gläubiger vor Gericht gebracht M. 8,60. — b) festes Aufstehen, Bestand; s. 뒷지지문의. — c) Zustand, Lage, Stellung, Verhältniss, Fall, Grad, Stufe AK. 1,1,4,7. H. 1377. तम्मा-त्सर्वास्ववस्थास् मान्याः पूज्याश्च पार्थिवाः R. 3,44,+3. 1,17,27. 4,21,8. Çîk. 80,7. Kumîras. 2,6. Месн. 107. म्रवस्थाकालसद्श R. 5,70, 13. म्रव-स्थाचित KATHAS. 26, 25. इमामवस्था नीताप्ति R. 3, 25, 2.16. PANEAT. 173, 3. म्रवस्या गम् 214,20. Sav. 5,89. म्रवस्या या Megn. 18. ईदशीमवस्या प्र-पन्ना ऽस्मि Çir. 60, 12. राज्ञससानिध्यनामवस्या कम्पञ्चरादिभिर्नुभवति Рамкат. 238, 7. स कपीन्द्रेण तुल्यावस्यः स्वसुः कृतः Ragn. 12, 80. Внавтя. 2,37. तदवस्था adj. N. 17,30. सर्वावस्थ Sav. 4,32. स्वामिना मरूत्पवस्था वर्तते Райкат. 70,11. मक्ती ते व्यसनावस्या वर्तते 107,6. म्रत्यावस्या ऽपि मक्तन्स्वामिगुणात्र जक्ति IV, 76. म्रवस्या पश्चिमा पश्य पितुः पुत्र स्टारुणाम् R. 4,22,26. 6,7,45. 8,8.9. मम त्रदर्शनात्मनेभवेन पश्चिमाव-स्या कृता Райкат. 128,6. इत्याखवस्या मम संज्ञाता Раав. 113,3. प्रथमका-मावस्था Sch. zu Çik. 22. वाष्या नामाश्र्णाः पूर्वावस्था Sch. zu 81. काम-यमानावस्था राजा Çax. 32, 1. स्फुलिङ्गावस्थया विक्रेरधापेत इव स्थितः 174.131. काषाव ° Duúrtas. 83, 16. द्रवाव ° Zustand des Flüssigseins P. 6,1,24, Sch. मदावस्य इव दिपेन्द्र: RAGH. 2,7. MEGH. 30. Altersstufe P. 5, 4,146. 6,2,115. AK.3,4,218. बालावस्य VIKR.156. म्रवस्याचतुष्ट्य VAIDJ. im ÇKDa. Vgl.समवस्था. — d) die weibliche Scham: ऋभ्यवस्थाः प्र जीयसे प्र वन्नेर्वान्निर्धिकेत RV. 5,19,1. Vgl. म्रवस्यः

श्चन्यान (wie eben) n. 1) das auf-Etwas-Stehen oder sich-Stellen, Sichbefinden, Wohnen, Verbleiben, Verharren, Aufenthalt: पद्या रुजम-वस्थानं स कृता किषकुञ्चरः R. 5, 5, 18. चतुर्मण्डलावस्थानेनावस्थितः (सिं-कः) Райкат. 9, 14. उद्कप्रकृणार्थं प्रवृत्तस्य स्वामिनः किमिक् निवृत्यावस्थानम् 19, 15. स्रत्रात्मनो निर्जनवनावस्थानकार्णमाष्ट्यातुमकृत्ति Hir. 27, 9. स्रत्रावस्थानेन वनिम्दं सनायीक्रियताम् 38, 13. 30, 17. किंपुनः कार्णं वार्गणस्यां सर्वात्मना मक्सिंग्लस्थावस्थाने Рада. 25, 9. कीर्ट्रते व्यसनावस्थानम् Райкат. 107, 8. प्रकृतिः स्वत्र्यावस्थाने भवित P. 3, 1, 26, Vårtt. 2, Sch. Sâu. D. 75, 2. Vgl. स्वनवस्थानं — 2) Standort, Lage; so heissen die 3 Theile, in die die Bahn der Sonne und anderer Planeten am Himmel getheilt werden, VP. 226, N. 21.

श्रवस्थापिन् (wie eben) adj. stehend, aufgestellt: पश्चाद्वस्थापि बलम् (= संनय Hintertreffen) AK. 3,4,24,153.

म्रवस्थित s. u. स्था mit म्रव.

म्रविस्थिति (von स्था mit म्रव) f. Ausenthalt: सा त्रयाक् — म्राम्मे प्रविस्थितिम् Katels. 9,67. das Verbleiben, Beharren, s. म्रनविस्थिति.

म्रवस्पर्त, (von स्पर् mit म्रव) m. Erretter RV. 2,23,8.

चवस्य (von 1. चवस्), चवस्यति Gunst, Beistand suchen: चवस्यते स्तु-वृते कृष्तियार P.V. 1,116,23.

श्रवस्यन्द्न (von स्यन्द् mit श्रव) gaṇa गक्ति; davon ॰नीय adj. nach P. 4,2,138.

म्रवस्युँ (von म्रवस्य) adj. verlangend, Gunst —, Beistand suchend: ई-क्रानायावस्यवे यिवेष्ठ ह्रत ना गिरा (म्रा गिक्) हुए. 2,6,6. मृब्स्यवे ये व-रिवः कृषाति 4,50,9. ता वेकामि प्रतर्गीमवस्युवम् 5,46,1. तं ना विद्या म्रवस्युवा गिर्रः मुम्भित्त 8,43,2. 1,14,5. 25,19. 101,1. 114,11. 131,8. 7.